कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (36) खण्ड - {71}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- अब दैवी युग की स्थापना होनी है किसको बहिश्त बनाने वाला बाप ही है ?

A- कलियुग

B- रौरव नरक

C- दोज़क

D- छी- छी दुनिया

प्रश्न 2- योगबल से आत्मा को सतोप्रधान बनाकर एकरस कौनसी अवस्था तक पहुँचना है ?

A- नष्टोमोहा

B- कर्मातीत

C- जगतजीत

D- विकर्माजीत

प्रश्न 3-बच्चे यदि यह अन्तिम जन्म पावन बनेंगे तो ?

A- विश्न के मालिक बनेंगे।

B- तुम्हारी खाद निकल जायेगी।

C- एकरस अवस्था बन जायेगी।

D- नष्टोमोहा बन जायेंगे।

प्रश्न 4- संगम पर जिन्हें सेवा का श्रेष्ठ भाग्य प्राप्त है वही कौन है ?

A- पदमापदम भाग्यवान

B- परम सौभाग्यशाली

C- नम्बरवन विजयी

D- पास विद् आनर

प्रश्न 5- पिछाड़ी के समय कौन सी अवस्था आनी है ?

A- पिछाड़ी के समय निरन्तर रूहानी यात्रा करते रहेंगे।

B- बैठे-बैठे साक्षात्कार होंगे। बाप और वर्सा याद आता रहेगा।

C- वैकुण्ठ देखते रहेंगे, बस अभी हम यह प्रालब्ध पायेंगे। हर्षित होते रहेंगे।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- कौन सी अवस्था में जाने के लिए सारा दिन याद में रहने की मेहनत करनी है ?

A- कर्मातीत

B- नष्टोमोहा

C- सम्पूर्ण

D- फरिश्ता

प्रश्न 7- आत्मा का स्वधर्म शान्ति है, इसलिए क्या नहीं मांगनी है, स्वधर्म में टिकना है?

A- कुछ नहीं

B- खुशी

C- शान्ति

D- प्रेम

प्रश्न 8- महावीर-महावीरनी को क्या कहा जाता है ?

A- ओशन ऑफ गॉड, ओशन ऑफ गाडेज

B- गॉड आफ नॉलेज, गॉडेज ऑफ नॉलेज

C- विश्व महाराजन, विश्वमहारानी

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- पुरुषार्थ वा प्लैन को कमजोर करने का स्क्रू एक ही है ?

A- अलबेलापन

B- संशय

C- स्वभाव- संस्कार

D- आसक्ति

प्रश्न 10- समझना, चाहना और करना - तीनों को समान बनाओ। तीनों को समान करना अर्थात् ?

A- बाप समान बनना।

B- दृढ़ संकल्प की स्याही से लिखना।

C- दृढ़ प्रतिज्ञा और प्रत्यक्षता का बैलेन्स रखना।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- बाप भल यहाँ तुम्हारे सम्मुख है लेकिन याद तुम्हें कहां करना है ?

A- सुखधाम

B- शान्तिधाम

C- घर

D- मधुबन

प्रश्न 12- सतयुग को कहा जाता है ?

A- जीवनमुक्तिधाम

B- अशोक वाटिका

C- सुखधाम

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 13- सुस्ती आने का क्या कारण है ?

A समझते है सभी तो विजय माला में नही आयेंगे।

B सब तो राजा नहीं बनेंगे।

C पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते।

D उपरोक्त सभी

प्रश्न 14- कौन से कर्तव्य अभी चल रहे है ?

A- ब्रह्मा द्वारा स्थापना

B- शंकर द्वारा विनाश

C- विष्णु द्वारा पालना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 15- जो व्यर्थ की फीलिंग से परे रहता है वही क्या बनता है ?

A- सर्वशक्तिमान

B- जगतजीत

C- मायाजीत

D- मोहजीत

प्रश्न 16- डायरेक्ट 21 जन्मों के लिए प्रालब्ध मिलती है, क्योंकि ?

A- अब बाप डायरेक्ट बैठे हैं।

B- परमपिता परमात्मा निराकार बाप तो दाता है।

C- एक जन्म का फल दूसरे जन्म में मिलता है।

D- उपरोक्त सभी

भाग (36) खण्ड {71} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - C दोज़क

अब दैवी युग की स्थापना होनी है। दोज़क को बहिश्त बनाने वाला बाप ही है। बाप कोई दोज़क थोड़े ही रचेंगे।

उत्तर 2 - B कर्मातीत

योगबल से आत्मा को सतोप्रधान बनाकर एकरस कर्मातीत अवस्था तक पहुंचना है। याद की गुप्त मेहनत करनी है, एकान्त में पढ़ाई करनी है।

उत्तर 3- *A विश्व के मालिक बनेंगे*

बाप कहते है - *बच्चे यह अंतिम जन्म पावन बनेंगे तो विश्व के मालिक बनेंगे।* कितनी बड़ी कमाई है। बाप कहते है - धन्धा आदि भल करो सिर्फ मुझे याद करो।

उत्तर 4 - A पदमापदम भाग्यवान

संगम पर जिन्हें सेवा का श्रेष्ठ भाग्य प्राप्त है वही पदमापदम भाग्यवान है

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

*पिछाड़ी के समय निरन्तर रूहानी यात्रा करते रहेंगे। बैठे बैठे साक्षात्कार होंगे। बाप और वर्सा याद आता रहेगा।

वैकुण्ठ देखते रहेंगे, बस अभी हम यह प्रालब्ध पायेंगे। हर्षित होते रहेंगे*

उत्तर 6- *A.कर्मातीत*

रूहानी यात्रा पर रहने के लिए एक दो को सावधान करते रहना है। *कर्मातीत अवस्था में जाने के लिए सारा दिन याद में रहने की मेहनत करनी है*

उत्तर 7- *C.शान्ति*

मीठे बच्चे - तुम कर्मक्षेत्र पर आये हो पार्ट बजाने, तुम्हें कर्म जरूर करने हैं, *आत्मा का स्वधर्म शान्ति है, इसलिए शान्ति नही मांगनी है, स्वधर्म में टिकना है।*

उत्तर 8- *B.गॉड ऑफ नॉलेज, गॉडेज ऑफ नॉलेज*

तुम बच्चों को महावीर बनना है। *महावीर - महावीरनी को गॉड ऑफ नॉलेज, गॉडेज् ऑफ नॉलेज कहा जाता है*

गॉड ही योग सिखलाए महावीर बनाते है।

उत्तर 9- *A.अलबेलापन*

प्रतिज्ञा को पूरा करने के लिए प्लैन बहुत अच्छे-अच्छे बनाते हो, पुरुषार्थ भी बहुत करते रहते हो लेकिन *पुरुषार्थ वा प्लैन को कमजोर करने का स्क्रू एक ही है 'अलबेलापन'। * वह भिन्न-भिन्न रूप में आता है और सदा नये-नये रूप में आता है, पुराने रूप में नहीं आता। तो इस 'अलबेलेपन' के लूज़ स्क्रू को टाइट करो।

उत्तर 10- *A.बाप समान बनना*

समझना, चाहना और करना - तीनों को समान बनाओ। तीनों को समान करना अर्थात् बाप समान बनना। अगर बापदादा कहेंगे कि सभी लिखकर दो तो सेकेण्ड में लिखेंगे! चिटकी पर लिखना कोई बड़ी बात नहीं। मस्तक पर दृढ़ संकल्प की स्याही से लिख दो।

उत्तर 11- *B.शान्तिधाम*

मीठे बच्चे - *बाप भल यहाँ तुम्हारे सम्मुख है लेकिन याद तुम्हें शान्तिधाम घर में करना है* - तुम्हारा बुद्धि-योग सदा ऊपर लटका रहे।

उत्तर 12- *D.उपरोक्त सभी*

सतयुग को कहा जाता है जीवन मुक्तिधाम। यह है जीवनबंध धाम। इस समय सब रावण के बंधन में हैं, शोकवाटिका में हैं। *तुमको अब पता पड़ा है - शोक वाटिका किसको और अशोक वाटिका किसको कहा जाता है।* यहाँ कर्मों अनुसार कोई गरीब बनता है - कोई कैसे बनते हैं। वहाँ गरीब भी सुखी रहते हैं। *नाम ही है सुखधाम।* यह है दु:खधाम।

उत्तर 13- *D.उपरोक्त सभी*

पढ़ाई वा योग में तुम्हें जरा भी सुस्ती नहीं आनी चाहिए। लेकिन *कई बच्चे समझते हैं सभी तो विजय माला में नहीं आयेंगे, सब तो राजा नहीं बनेंगे - इसलिए सुस्त बन जाते हैं।

पढ़ाई पर ध्यान नहीं देते।* लेकिन जिसका बाप से पूरा लॅव है वह एक्यूरेट पढ़ाई पढ़ेंगे, सुस्ती आ नहीं सकती।

उत्तर 14- *D.उपरोक्त सभी*

मैं आता ही तब हूँ, जब यह हालत होती है। बहुत दु:ख है, मौत सामने खड़ा है। विनाश के लिए मूसल भी तैयार हैं। अभी तुम बच्चे जानते हो बाबा आया हुआ है, आदि सनातन धर्म की स्थापना करने। *ब्रह्मा द्वारा स्थापना, शंकर द्वारा विनाश, विष्णु द्वारा पालना... बरोबर यह तीनों कर्तव्य अभी चल रहे हैं।*

उत्तर 15- *C.मायाजीत*

देवता धर्म वाले हैं सूर्यवंशी। राम को फिर क्षत्रिय की निशानी दे दी है। अभी तुम रूहानी क्षत्रिय हो। माया पर जीत पाते हो, इसमें समझने की बड़ी बुद्धि चाहिए। योग भी बड़ा सहज है। *जो व्यर्थ की फीलिंग से परे रहता है वही मायाजीत बनता है।*

उत्तर 16- *A.अब बाप डायरेक्ट बैठे हैं*

बाप कहते हैं - बच्चे एक हॉस्पिटल कम कॉलेज खोलो, इसमें बहुतों का कल्याण होगा। इसका फल तुमको 21 जन्म के लिए मिलेगा। वह है इनडायरेक्ट एक जन्म के लिए, यह है डायरेक्ट, *21 जन्मों के लिए प्रालब्ध मिलती है क्योंकि अब बाप डायरेक्ट बैठे हैं।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (36) खण्ड - {72}

प्रश्न 1- तुम पतित-पावनी ज्ञान गंगायें निकली हो। गंगायें क्यों कहा जाता है ?

A- क्योंकि तुम सब सजनियां हो।

B- क्योंकि तुम सब द्रौपदियाँ हो।

C- क्योंकि तुम सब ब्रह्माकुमारियाँ हो।

D- क्योंकि तुम सब पार्वतियॉं हो।

प्रश्न 2- कैसे राजाई स्थापन हो रही है ?

A- ज्ञान तलवार से

B- योगबल से

C- सेवा से

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 3- बाबा का फ़र्ज है ?

A- तुमको शिक्षा देना

B- रेसपान्ड करना

C- स्थापना करना

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 5- हम ब्रह्माकुमार कुमारियां हैं ?

A- शिव के पोत्रे

B- ब्रह्मा के बच्चे

C- ब्राह्मण

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 6- मैं गाइड बन तुम बच्चों को वापिस ले जाने के लिए आया हूँ, इसलिए मुझे ..... भी कहते हैं।

A- पैगम्बर

B- दूतों का दूत

C- कालों का काल

D- लिबरेटर

प्रश्न 7- जैसे बाबा विचार सागर मंथन करते हैं, ऐसे ज्ञान का विचार सागर मंथन करना है। कल्याणकारी बन किसकी सेवा में तत्पर रहना है ?

A- रूहानी

B- अलौकिक

C- विश्व

D- मनुष्य

प्रश्न 8- विकर्माजीत वही बनते हैं जो ..... गति को जान श्रेष्ठ कर्म करते हैं।

A- कर्म

B- अकर्म

C- विकर्म

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 9- सृष्टि चक्र किसका बना हुआ है ?

A- ज्ञान

B- भक्ति

C- वैराग्य

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- किसके चित्र पर समझाना सबसे सहज है ?

A- त्रिमूर्ति

B- गोला

C- झाड़

D- लक्ष्मी-नारायण

प्रश्न 11- इस समय दुनिया में भक्त माला बड़ी लम्बी चौड़ी है। तुम्हारी है..... की माला।

A- 8

B- 108

C- 16108

D- 9 लाख

प्रश्न 12- अभी बाप आया है दैवी .... स्थापन करने ?

A- भारत

B- राजस्थान

C- परिस्तान

D- दुनिया

प्रश्न 13 - तुम्हारी आत्मा थी ही ..... फिर पार्ट बजाते बजाते ..... बन गई है?

A- सतो, तमो

B- गोरी, काली

C- सतोप्रधान, तमोप्रथान

D- पावन, पतित

प्रश्न 14- बाबा इतनी दूर से क्या करने आते है ?

A- वर्सा देने

B- राजयोग सिखाने

C- मिलने

D- पढ़ाने

प्रश्न 15- वह मंदिरो, तीर्थों आदि पर धक्के खाते रहते हैं और तुम ?

A- डायरेक्ट मिल रहे हो

B- सम्मुख बैठे हो

C- वर्सा ले रहे हो

D- मिलन मना रहे हो

प्रश्न 16 - भगवान को ऊँच कहा जाता है। ऊंचा उनका .....है ?

A- नाम

B- धाम

C- ठांव

D- का

भाग (36) खण्ड {72} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *A.क्योंकि तुम सब सजनियां हो*

यह बच्चों को पक्का निश्चय है कि हम पुरुषार्थ कर अवश्य बाप समान बनेंगे। बाप पतित-पावन, ज्ञान सागर है। उससे तुम पतित-पावनी ज्ञान गंगायें निकली हो। *गंगायें क्यों कहा जाता है? क्योंकि तुम सब सजनियां हो।* सबको हम ज्ञान गंगा ही कहेंगे।

उत्तर 2- *B.योगबल से*

कोई को थोड़ा सुनने से भी नशा चढ़ जाता है। तकदीर भी साथ देती है। कोई फिर संगदोष में आकर पढ़ाई छोड़ देते हैं। रावण मत वाले अलग हैं, ईश्वरीय मत वाले अलग हैं। तुम बच्चे जानते हो - *कैसे राजाई स्थापन हो रही है योगबल से।

* बाहुबल अनेक प्रकार का है। योगबल एक ही प्रकार का है।

उत्तर 3- *A.तुमको शिक्षा देना*

बाबा से पूछते हैं - बाबा कब तक इस शरीर में मुसाफिरी करेंगे? बतायेंगे नहीं। ड्रामा में है नहीं तो क्या कर सकते। ड्रामा में होगा तो बतायेंगे। मैं आया ही हूँ तुम बच्चों को पढ़ाने। मैं तुम्हारा बाप भी हूँ। तुम गाते हो तुम मात-पिता... वही पार्ट बजा रहा हूँ। *मेरा फ़र्ज है तुमको शिक्षा देना।* मुझे कहते हैं ज्ञान का सागर, मनुष्य सृष्टि का बीजरूप।

उत्तर 4- *C.बाबा परमधाम से आये हैं*

मनुष्यों ने भगवान को सर्वव्यापी कह बहुत धक्के खिलाये हैं। सर्वव्यापी है तो कहाँ से मिलेगा? फिर कह देते हैं परमात्मा तो नाम-रूप से न्यारा है। जब नाम-रूप से ही न्यारा है तो मिलेगा फिर कैसे और ढूँढेंगे किसको? इसलिए दर-दर धक्के खाते रहते हैं। तुम बच्चों का भटकना अब छूट गया।

तुम निश्चय से कहते हो - बाबा परमधाम से आये हैं।

उत्तर 5- *D.उपरोक्त सभी*

हम शिवबाबा के पोत्रे-पोत्रियां हैं। बाप भी तो जरूर चाहिए। *बरोबर हम ब्रह्माकुमार कुमारियां हैं। शिव के पोत्रे हैं* यह संगमयुग है ब्राह्मणों की पुरी, इसमें तुम *ब्रह्मा के बच्चे बने हो।* इस समय तुमको दैवी सम्प्रदाय नहीं कह सकते। इस समय *तुम ब्राह्मण सम्प्रदाय हो।*

उत्तर 6- *C.कालों का काल*

गाया भी हुआ है कल्प-कल्प, कल्प के संगमयुगे-युगे आता हूँ। बाप हमको ऐसे समझाते हैं, हम उनकी श्रीमत पर हैं। कहते हैं *मैं गाइड बन तुम बच्चों को वापिस ले जाने के लिए आया हूँ, इसलिए मुझे कालों का काल भी कहते हैं।*

उत्तर 7- *B.अलौकिक*

जैसे बाबा विचार सागर मंथन करते हैं, ऐसे ज्ञान का विचार सागर मंथन करना है। *कल्याणकारी बन अलौकिक सेवा में तत्पर रहना है।* दिल की सच्चाई से सेवा करनी है।

उत्तर 8- *D.उपरोक्त सभी*

विकर्माजीत वही बनते जो कर्म-अकर्म और विकर्म की गति को जान श्रेष्ठ कर्म करते हैं। विकर्माजीत बनने वाले कभी भी कर्म कूटते नहीं। उनके कर्म विकर्म नहीं बनते।

उत्तर 9- *D.* उपरोक्त सभी

*यह तो बच्चों को समझाया गया है कि ज्ञान, भक्ति और वैराग्य का यह सृष्टि चक्र बना हुआ है।*बाप रूहानी बच्चों को टॉपिक पर समझाते हैं - ज्ञान, भक्ति पीछे है वैराग्य।आधाकल्प के बाद भक्ति शुरू होती है। जब ज्ञान अर्थात् दिन है तो कोई संन्यास धर्म नहीं है, वैराग्य नहीं है।

उत्तर 10- *D.लक्ष्मी-नारायण*

*सबसे सहज है लक्ष्मी-नारायण के चित्र पर समझाना। * मनुष्य थोड़ेही कोई भी चित्र का अर्थ समझते हैं। उल्टा सुल्टा चित्र बना देते हैं। नारायण को दो भुजायें तो लक्ष्मी को 4 भुजायें दे देते हैं। सतयुग में इतनी भुजायें होती नहीं। सूक्ष्मवतन में तो हैं ही ब्रह्मा विष्णु शंकर। उन्हों को भी इतनी भुजायें हो नहीं सकती।

उत्तर 11- *C.16108*

इस समय दुनिया में भक्त माला बड़ी लम्बी चौड़ी है। *तुम्हारी है 16108 की माला।* भक्त तो करोड़ों हैं। यहाँ भक्ति की बात नहीं। ज्ञान से ही सद्गति होती है। अब तुमको भक्ति की जंजीरों से छुड़ाया जाता है। बाबा कहते हैं सब भक्तों पर जब भीड़ होती है तब मुझे आना पड़ता है, सभी की गति सद्गति करने।

उत्तर 12- *B.राजस्थान*

लक्ष्मी-नारायण का नाम भी प्रजा में कोई अपने ऊपर रख न सके, लॉ नहीं है। विलायत में भी राजा का नाम कोई

अपने ऊपर नहीं रखेंगे। उनकी बहुत इज्जत करते हैं। तो बच्चे समझते हैं 5 हजार वर्ष पहले बाप आया था। *अब भी बाप आया है - दैवी राजस्थान स्थापन करने।* शिवबाबा का आना भी अब हुआ है।

उत्तर13- C : सतोप्रधान - तमोप्रधान

बच्चे बाप की याद में रहो तो तुम्हारे जन्म-जन्मान्तर के जो पाप हैं, जिसके कारण कट चढ़ी हुई है, वह सब निकल जायेगी और तुम्हारी आत्मा सतोप्रधान बन जायेगी। *तुम्हारी आत्मा असुल थी ही सतोप्रधान फिर पार्ट बजाते-बजाते तमोप्रधान बन गई है।* यह महावाक्य सिवाए बाप के कोई कह न सके।

उत्तर 14 D. पढाने

बाबा कहते है मीठे बच्चे मैं तुम्हारा बाप तुमको पढ़ाता भी हूँ। *अब बाप पढ़ाने की फी बच्चों से लेगा? बच्चों से फी कैसे लेंगे!* एक पाई भी फी नहीं लेता हूँ। *कितना दूर

परमधाम से आता हूँ तुमको पढ़ाने।* यह नौकरी करने रोज़ आता हूँ। तो कितना प्यार से पढना चाहिये l

उत्तर 15- C वर्सा ले रहे हो

जानते हो हम शिवबाबा की मत पर चल विश्व के मालिक बनने का वर्सा ले रहे हैं। *वह मन्दिरों, तीर्थो आदि पर धक्के खाते रहते हैं और तुम वर्सा ले रहे हो।* फ़र्क देखो कितना है। तुम्हारी भेंट में वह कितने बुद्धू हैं।

उत्तर 16- C ठांव

भगवान को ऊंच कहा जाता है। *ऊंचा उनका ठांव है। रहने का स्थान तो मशहूर है।* बच्चे जानते हैं हम मूलवतन में रहने वाले हैं। मनुष्यों को इन सब बातों का पता नहीं है।